दूधिया साजिश

अमावस की उस भारी रात में, शहर की आखिरी सीमा पर बसे उस ढाबे की बत्तियां रह-रहकर झपक रही थीं। जब वेटर ने मेज पर वह मटमैली कड़ाही रखी, तो मसालों की तीखी गंध के पीछे से एक ऐसी गंध उभरी जो किसी पुरानी फैक्ट्री के जलते हुए रबर की याद दिला रही थी। तरी के उस लाल खौलते दरिया के बीच वह सफेद कयूब ऐसे पड़ा था, जैसे किसी कब्रिस्तान की शांति के बीच एक ताज़ा सफेद कफन। मैंने चम्मच उठाया और उसे काटने की कोशिश की, पर वह कटा नहीं। वह तो बस एक तरफ झुक गया, जैसे कोई मृत देह दबाव पाकर अपनी दिशा बदल लेती है। उसकी सतह इतनी चिकनी और कृत्रिम थी कि रोशनी उससे टकराकर वापस लौट रही थी। वह पनीर नहीं था, वह तो दूध के वेश में आया कोई ऐसा सिंथेटिक अभिशाप था जिसे किसी अंधेरी लैब में रसायनों और प्लास्टिक की नसों से बुना गया था।

जैसे ही मैंने उस टुकड़े को थाली के किनारे पर दबाया, एक ऐसी मद्धम और डरावनी आवाज आई जैसे कोई पुराना चमड़ा खींच रहा हो। वह वापस अपनी मूल आकृति में लौट आया, जैसे उसमें कोई अपनी मर्जी की जान बसी हो। उसे देखकर मन में पहला विचार यही कौंधा कि क्या इसे किसी गाय के थन से निकाला गया है या किसी पुराने ट्रक के टायर को पिघलाकर सांचों में ढाला गया है। उसकी सफेदी में वह मासूमियत नहीं थी जो भूख मिटाती है, बल्कि वह भयावह चमक थी जो आगाह कर रही थी कि यहाँ से वापसी का रास्ता बंद है। चम्मच और उस पत्थर जैसे टुकड़े के बीच का वह संघर्ष किसी युद्ध से कम नहीं था, जहाँ जीत हमेशा उस निर्जीव रबर की ही हो रही थी। वह ग्रेवी को अपने शरीर पर ऐसे सरका रहा था जैसे कोई चिकना सांप कीचड़ से निकल जाता है।

जब वह टुकड़ा दांतों के बीच पहुंचा, तो असली भयावहता का अहसास हुआ। वह चबाने पर कटता नहीं था, बल्कि दांतों और मसूड़ों के बीच एक ऐसा तनाव पैदा कर रहा था जैसे कोई किसी मजबूत इलास्टिक को फाड़ने की कोशिश कर रहा हो। उसे जितना दबाया गया, वह उतना ही कठोर और प्रतिरोधी होता गया। ऐसा लगा जैसे मुँह के अंदर कोई जीवित परजीवी प्रवेश कर गया है जो कटने के बजाय आपके जबड़ों की ताकत को ही सोख रहा है। उसकी कोई अपनी पहचान नहीं थी, कोई स्वाद नहीं था, बस एक अंतहीन खिंचाव था जो किसी पुरानी हवेली के जंग लगे दरवाजे के चरमराने जैसा शोर आपके कानों के भीतर पैदा कर रहा था। वह रबर का अहसास जीभ पर एक ऐसी ठंडी सिहरन छोड़ गया जो किसी ठंडे हाथ के स्पर्श जैसी थी।

उसे निगलने का प्रयास उस रात की सबसे बड़ी गलती साबित हुई। वह गले के नीचे उतरा नहीं, बल्कि सरक कर एक ऐसी जगह अटक गया जहाँ से सांस लेना एक चुनौती बन गया। वह पनीर का टुकड़ा आपके भीतर जाकर पिघलने वाला नहीं था, बल्कि वह तो वहां एक स्थाई बुत बनकर स्थापित होने के लिए आया था। पेट के भीतर पहुंचते ही एक ऐसा भारीपन महसूस हुआ जैसे किसी ने पिघला हुआ सीसा डाल दिया हो। वह रबर का घन अब आपके पाचन तंत्र का मजाक उड़ा रहा था। उसे लगा कि वह अब आपकी नसों में सफेद जहर बनकर दौड़ेगा। उसकी बनावट में वह जिद थी जो केवल उन वस्तुओं में होती है जिन्हें जलाया तो जा सकता है पर कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। वह आपके भीतर के अंधेरे में एक सफेद चमकता हुआ खौफ बन गया था।

उस ढाबे का सन्नाटा अब और भी गहरा हो गया था। वेटर कोने में खड़ा होकर अपनी सफेद आंखों से मुझे देख रहा था, जैसे उसे पता हो कि जो टुकड़ा मैंने अभी-अभी निगला है, वह मेरी नियति बदलने वाला है। वह पनीर नहीं, एक ऐसा बीज था जिसे रबर के पेड़ों और मरे हुए दूध के मेल से उगाया गया था। मेरी अंतड़ियों में अब एक ऐसा खिंचाव शुरू हो गया था जो असहनीय था। ऐसा महसूस होने लगा कि मेरा शरीर धीरे-धीरे अपनी कोमलता खो रहा है और उसकी जगह वही सख्त, निर्जीव सफेदी ले रही है। हाथ-पैर हिलाना मुश्किल हो गया, जैसे मेरी मांसपेशियों के बीच खून की जगह अब वही पिघला हुआ रबर जमने लगा हो। वह सफेद टुकड़ा अब मेरे पूरे अस्तित्व को अपने जैसा बनाने की साजिश रच चुका था।

सुबह जब सूरज की पहली किरण उस मेज पर पड़ी, तो वहां न कोई ग्राहक था, न वेटर और न वह ढाबा। वहां सिर्फ एक कुर्सी पड़ी थी, जिस पर इंसान के कपड़ों के भीतर रबर का एक आदमकद, सफेद और सख्त पुतला बैठा था। वह पुतला स्थिर था, अभेद्य था और उसकी त्वचा पर मसालों के लाल दाग किसी पुराने घाव की तरह सूखे हुए थे। उस रात पनीर ने मुझे खाया था, मैंने पनीर को नहीं। अब वह रबर का ढांचा ही मेरा नया शरीर था, जो न कभी सड़ेगा, न कभी मरेगा। पास की झाड़ियों से एक सफेद कुत्ता निकला और उसने उस पुतले के पैर को दांतों से काटने की कोशिश की, पर उसके दांत टूटकर गिर गए। वह पुतला अब उस सुनसान सड़क का नया मील का पत्थर था, जो आने वाले हर मुसाफिर को अपनी बेजान, सफेद आंखों से देख रहा था।

कार्टून कोना...

सांवेर में भाजपा मंडल द्वारा आंबेडकर जयंती मनाई, प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लिया समरसता का संकल्प

सांवेर (राहुल प्रजापत)7 नगर में भारतीय जनता पार्टी स्व. प्रकाश सोनकर मंडल द्वारा मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष संदीप चंगेडिया एवं मंडल अध्यक्ष तूफान सिंह पंवार ने संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने का कार्य किया और देश को एक मजबूत संविधान दिया।

उनके द्वारा लिखे गए संविधान की बदौलत आज सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्राप्त हुआ है।

चंगेडिया ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन हमें सामाजिक समरसता, समानता और न्याय के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं और नागरिकों से उनके विचारों को आत्मसात कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा समाज सेवा से जुड़े विभिन्न कार्य भी किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपनाने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी विनोद चंदानी, अजा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष कमल परमार, नगर अध्यक्ष जितेंद्र प्रजापत, मंडल महामंत्री दिनेश परमार, पार्षद इंदेश चावड़ा, अमित लोबानीया,नितिन पंडित,संदीप राव घाड़गे, जितेंद्र जटिया, नरेंद्र सिंह पंवार, प्रदीप सिंह ठाकुर, नरेंद्र साल्वी, अमित शिंदे,मोहित बाली मौजूद ।

अमेज़न पर धूम मचा रहा है उरतृप्त का नया उपन्यास, टॉप 1000 में बनाई जगह

इंदौर समाचार पत्र के प्रसिद्ध कॉलमिस्ट व्यंग्यकार डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त' ने अपनी नवीनतम साहित्यिक कृति 'यादों में गौरैया' के माध्यम से राष्ट्रीय पटल पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर हिंदी साहित्य का मान बढ़ाया है। प्रलेक प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस उपन्यास ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेज़न की बेस्टसेलर रैंकिंग में लंबी छलांग लगाते हुए 736वां स्थान प्राप्त किया है, जो इसे देश की शीर्ष 1000 लोकप्रिय पुस्तकों की सूची में शामिल करता है।

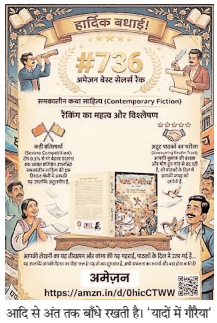

समकालीन कथा साहित्य और उपन्यास की अत्यंत प्रतिस्पर्धी श्रेणी में, जहाँ हर दिन हजारों नई पुस्तकें बाजार में आती हैं, इस कृति का टॉप 0.5त में जगह बनाना न केवल लेखक की बौद्धिक क्षमता को दर्शाता है, बल्कि पाठकों के उस अटूट भरोसे का भी प्रतीक है जिसने इसे 'रेकमेंडेड' श्रेणी में पहुँचा दिया है। डॉ. मिश्रा, जो 'इंदौर समाचार' के माध्यम से वर्षों से अपनी धारदार लेखनी और अनूठे व्यंग्य से पाठकों के दिलों में एक विशेष स्थान बनाए हुए हैं, ने इस उपन्यास में भी अपनी उसी सहज, सरल और मर्मस्पर्शी भाषा का प्रयोग किया है जो पाठक को आदि से अंत तक बाँधे रखती है। 'यादों में गौरैया' महज एक कहानी नहीं, बल्कि बचपन की उन ओझल होती स्मृतियों, लुप्त होती लोक संस्कृति और हमारी अपनी मिट्टी की सोंधी खुशबू का जीवंत दस्तावेज है, जो आधुनिकता की चकाचौंध में कहीं पीछे छूट गई है। पुस्तक की कथावस्तु में जहाँ एक ओर यादों की गहराई और भावुकता है, वहीं दूसरी ओर लेखक ने समाज की विसंगतियों और मानवीय व्यवहारों पर अपने चिरपरिचित अंदाज में तीखा कटाक्ष भी किया है, जो पाठक को सोचने पर मजबूर कर देता है। इस उपन्यास की सफलता इस बात का प्रमाण है कि आज के डिजिटल युग में भी यदि विषय वस्तु प्रासंगिक और भाषा हृदयस्पर्शी हो, तो पाठक उसे हाथों-हाथ लेते हैं।

डॉ. मिश्रा की यह उपलब्धि इंदौर के गौरव को बढ़ाती है और यह दर्शाती है कि आंचलिक संवेदनाओं को समेटे हुए साहित्य की स्वीकार्यता वैश्विक स्तर पर निरंतर बढ़ रही है। अमेज़न पर निरंतर बढ़ती इसकी मांग और सकारात्मक समीक्षाओं ने इसे एक 'मस्ट-रीड' पुस्तक बना दिया है, जो हर उस व्यक्ति के निजी पुस्तकालय का हिस्सा होनी चाहिए जो साहित्य में यथार्थ, संवेदना और सूक्ष्म हास्य का मिश्रण खोजने का प्रयास करता है।

यह उपन्यास न केवल एक लेखक की निजी सफलता है, बल्कि उन तमाम छोटे शहरों की कहानियों की जीत है जो गौरैया की तरह चहचहाने का अवसर ढूंढ रही हैं। डॉ. मिश्रा की यह ऐतिहासिक उपलब्धि आने वाले समय में अन्य साहित्यकारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी, जो अपनी जड़ों से जुड़कर वैश्विक फलक पर अपनी पहचान बनाने का स्वप्न देखते हैं।

महापौर व आयुक्त ने किया स्पोर्ट्स पार्क का औचक निरीक्षण

देवास,पवनयादव । महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल ने विधायक व महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल तथा आयुक्त दलीप कुमार के साथ इंदौर रोड स्थित तुकोजी राव पवार स्पोर्ट्स पार्क का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण में मिली कमियां-निरीक्षण के दौरान स्पोर्ट्स पार्क में खिलाड़ियों के बैठने की कुर्सी एवं शेड टूटे हुए पाए गए। पार्क के कुछ हिस्सों में घास सूखी मिली तथा कुछ बिजली के पोल की लाइट भी बंद पाई गई।

महापौर के निर्देश-महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल ने पाई गई कमियों को शीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश सहायक यंत्री मुशाहिद हांफी एवं सौरभ त्रिपाठी को दिए। वहीं सहायक यंत्री जगदीश वर्मा को पार्क में प्रॉपर लाइट, नई कुर्सी सेट, खिलाड़ियों के लिए टेनिस एवं क्रिकेट प्रैक्टिस नेट लगवाने तथा रंग बिरंगे झंडे लगाने के निर्देश दिए।

महापौर ने पार्क में नए सी.सी.टी.वी कैमरे लगवाने तथा बंद पड़े कैमरों को तत्काल सुधरवाने के भी निर्देश दिए।

आयुक्त ने दिए मेंटेनेंस के निर्देश-आयुक्त दलीप कुमार ने निरीक्षण के दौरान गार्डन संचालक को पार्क की सभी कमियों को प्रॉपर तरीके से मेंटेन करने तथा सूखी घास में नियमित पानी दिए जाने के निर्देश दिए।

महापौर ने संबंधित अधिकारियों को सभी सुधार कार्य एक माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

भारत रत्न डॉ.अंबेडकर की जयंती मनाई

देवास,अंतिमयादव। भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की 136 वी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर अखिल भारत अनुसूचित जाति परिषद जिला द्वारा उज्जैन चौराहे पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। परिषद के अध्यक्ष आत्माराम परिहार ने कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों ना हो उसे चलाने वाले के ऊपर निर्भर रहता है। इसलिए संविधान की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इस अवसर पर बाबा साहब के मिशन को शिक्षा के रूप में समर्पित करने वाले वरिष्ठ शिक्षक बाबूलाल मालविय का परिषद द्वारा अभिनंदन पत्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव मदनलाल जेठवा, हेमराज मोतिया आदि सहित कई गणमान्य नागरिको द्वारा भी बाबासाहेब को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम मे हेमराज परमार, इन्दरसिंह राठोर,जी पी डोंगर, डॉ एस एस मालवीय आदि उपस्थित थे ।

किशनगंज ओवर ब्रिज पर देर रात हादसा दो युवतियों सहित तीन घायल

महू (इंदौर समाचार)सोमवार रात महू- इंदौर रोड पर किशनगंज रेलवे ओवरब्रिज पर एक सड़क हादसा हुआ। पीथमपुर की एक कंपनी की बस ने एक्टिवा सवार एक युवक और दो युवतियों को टक्कर मार दी, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

टक्कर इतनी भीषण थी कि एक युवती का जबड़ा टूट गया और युवक का पैर फैक्चर हो गया। दोनों युवतियों की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद राहगीरों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

घायलों को पहले इलाज के लिए नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने उनकी गंभीर हालत के बावजूद भर्ती करने से इनकार कर दिया। इसके बाद तीनों घायलों को उसी निजी अस्पताल की एंबुलेंस से इंदौर के चोइथराम अस्पताल रेफर किया गया।

घायल युवक ने बताया कि वह अंबेडकर जयंती के दौरान महू आया था और इसी दौरान वह हादसे का शिकार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा काफी गंभीर था।

रामा दल पहुंचा अंबेडकर स्मारक किया माल्यार्पण

महू (इंदौर समाचार)रामा सामाजिक सांस्कृतिक एवं धर्म जागरण समिति (रामादल) द्वारा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 135वी जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी स्थानीय छावनी परिषद देवी अहिल्याबाई कन्या शाला गर्ल्स स्कूल चौराहे से यात्रा प्रारंभ कर बाबासाहेब के श्रद्धा के नारे जय भीम, लगाते जन्मस्थली पहुंचे। जन्म स्थली पर रामादल के संयोजक एवं अध्यक्ष लोकेश शर्मा द्वारा आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया साथ ही बाबा साहब के अस्ति कलश के दर्शन कर उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। सभी कार्यकर्ताओं ने भी माल्यार्पण कर डॉ बाबासाहेब अंबेडकर को नमन किया।

अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष पहुंचे अंबेडकर स्मारक

महू (इंदौर समाचार) भारतीय संविधान के निर्माता डॉक्टर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जन्म जयंती के अवसर पर अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष (केंद्रीय कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त) अंतर सिंह आर्य ने बाबा साहब की जन्मस्थली पर उनके मूर्ति पर माल्यार्पण कर बाबा साहब के पद चिन्हों पर चलने की समाज जनों से अपील की है इस अवसर पर उनके साथ राहुल पवार उपस्थित थे।

संभागायुक्त ने चिकित्सा अधिकारी सोनकच्छ को किया निलंबित

देवास,पवनयादव/संभागायुक्त आशीष सिंह ने पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी विकासखण्ड सोनकच्छ डॉ. राकेश कुमार को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9(1)(क) अंतर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। संभाग आयुक्त श्री सिंह ने ये कार्यवाही कलेक्टर देवास ऋषराज सिंह के प्रतिवेदन के आधार पर की।

राऊ नगर में बाबा साहब को याद किया

राऊ । संविधान निर्माता डॉ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 135 जयंती पर राऊ नगर परिषद वार्ड क्रमांक 15 राम रहीम कम्युनिटी परिसर में माल्यार्पण किया गया ।

राऊ नगर परिषद दरोगा बाबू गोसर ने बताया कि नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पप्पी विजय पाटीदार , पूर्व अध्यक्ष शिवनारायण डिगू , पार्षद एवं पूर्व पार्षद सहित विभिन्न समाजजन एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे ।